विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय   विषय - हिंदी व्याकरण

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 03 - 07- 2021

पाठ – 5

संज्ञा

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में आपको बारे में अध्ययन करना है, **जो इस प्रकार है।**

संज्ञा –

बच्चों संसार की प्रत्येक वस्तु का - न - कोई नाम होता है।

क्या आप ऊपर दिए गए चित्र में कुछ भी ऐसा देखते हैं जिसका कोई नाम न हो? निश्चय ही आप ऐसा कुछ नहीं देख सकते, क्योंकि प्रत्येक वस्तु का कोई–न–कोई नाम होता है। जैसे–

जंगल	कुटिया	भालू	पेड़
नाला	खाना	मेज़	खरगोश
शेर	पानी	पक्षी	आकाश

सभी के अलग–अलग नाम हैं। इन्हीं नामों को संज्ञा कहते हैं।

- **संज्ञा :- किसी व्यक्ति , वस्तु , स्थान , पदार्थ या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं ।**
- **संज्ञा के 3 मुख्य भेद हैं**

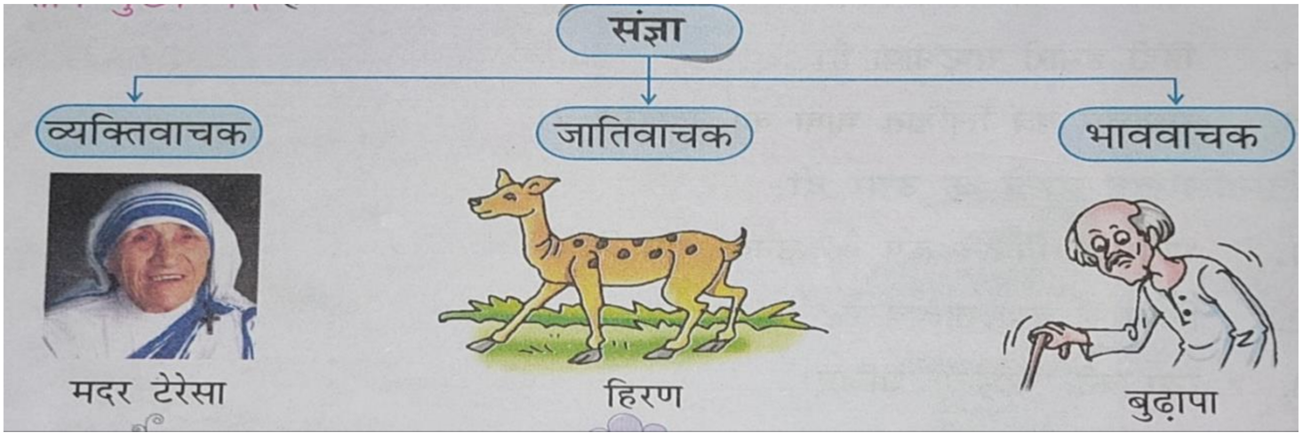

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा :- जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति , वस्तु या स्थान आदि का पता चले , उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे :- मीराबाई , ताजमहल , हिमालय , भगत सिंह

2. जातिवाचक संज्ञा :- जिस शब्द से उसकी पूरी जातीय समूह का बोध हो , उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे - लड़की , बकरी , नदी , किसान

3. भाववाचक संज्ञा :- जिस शब्द से किसी प्राणी अथवा वस्तु के भाव , दशा यही स्थिति का बोध हो , उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं । जैसे – सुंदरता , उदासी , हरियाली , खुशी

शब्द	भाववाचक संज्ञा	शब्द	भाववाचक संज्ञा	शब्द	भाववाचक संज्ञा
वीर	वीरता	गरीब	गरीबी	बच्चा	बचपन
अपना	अपनापन	भला	भलाई	लड़का	लड़कपन
ऊँचा	ऊँचाई	बुरा	बुराई	युवा	यौवन
अच्छा	अच्छाई	नेता	नेतृत्व	कठिन	कठिनाई
निज	निजता, निजत्व	बालक	बालकपन	उदार	उदारता
भक्त	भक्ति	लिखना	लिखाई	जीतना	जीत
सुंदर	सुंदरता	मीठा	मिठास	हारना	हार
मनुष्य	मनुष्यता	खट्टा	खटास	पढ़ना	पढ़ाई

गृहकार्य :-

- **बच्चों , दिए गए गृहकार्य को लिखे तथा याद करें-**

****

ज्योति